पाठ - 7
जहन्नम और उसके अज़ाब

الدرس السابع - هندي
النار و عذابها

अल्लाह ने फ़रमाया है: فَاتَّقُوا النَّارَ الَّتِي وَقُودُهَا النَّاسُ وَالحِجَارَةُ أُعِدَّتْ لِلْكَافِرِينَ

यानी "उस आग से बचो जिसका इंधन इंसान और पत्थर हैं जो काफ़िरों के लिए तैयार किया गया है। (सूरह अल बक़रा आयत 24)

अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने सहाबियों को संबोधित करते हुए कहा:

तुम लोग जिस आग को जलाते हो वह जहन्नम की आग का 70वां हिस्सा है। सहाबियों ने कहा: "यह आग ही अज़ाब के लिए काफ़ी थी, यह सुनकर अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया: वह आग 69 गुना ज़्यादा है और हर गुना उसी दुनियावी आग की तरह गर्म है। (सही बुख़ारी 3265, सही मुस्लिम 2843)

जहन्नम (नरक) के सात खण्ड हैं। हर खण्ड में पहले की तुलना में ज़्यादा कठोर अज़ाब दिया जाता है। और प्रत्येक खण्ड में अपने कर्मों के अनुसार कुछ लोग होंगे। सबसे निचले खण्ड में जहां का अज़ाब सबसे ज़्यादा सख़्त होगा, मुनाफ़िक़ीन होंगे।

काफ़िरों को अज़ाब दिये जाने का सिलसिला हमेशा–हमेशा चलता रहेगा। वह कभी खत्म नहीं होगा। जब जब वे जल कर राख हो जायेंगे, तो उन्हें और अज़ाब दिये जाने के लिए पहली अवस्था में लौटा दिया जायेगा। अल्लाह तआला फ़रमाता है:

यानी, "जब उनकी खालें पक जायेंगी हम उनके सिवा और खालें बदल देंगे ताकि वे अज़ाब चखते रहें। (सूरह अल निसा आयत 56)

एक दूसरी जगह फ़रमाया गया है: यानी, "और जो लोग काफ़िर हैं उनके लिए दोजख़ की आग है, न तो उनको मौत ही आयेगी कि मर ही जाएं और न दोजख़ का अजाब ही हलका किया जायेगा। हम हर काफ़िर को ऐसी ही सज़ा देते हैं।(सूरह अल फ़ातिर आयत 36)

जहन्नम में काफ़िरों को बेड़ियों में जकड़ दिया जायेगा और उनकी गर्दनों में तौक़ डाल दिये जायेंगे। अल्लाह तआला फ़रमाता है:

यानी, "आप उस दिन गुनहगारों को देखेंगे कि ज़ंजीरों में मिले जुले एक जगह जकड़े हुए होंगे। उनके लिबास गंधक के होंगे और आग उनके चेहरों पर भी चढ़ी हुई होगी।

जहन्नमी थूहड़ का फल खायेंगे। अल्लाह तआला फ़रमाता है:

यानी, "निस्सन्देह थूहड़ का पेड़ गुनाह करने वालों का खाना है, जो तिलछट के हैं और पेट में खौलता रहता है, तेज़ गर्म पानी के समान। (सूरह अल दुख़ान आयत 46)

जहन्नुम के अज़ाब की सख़्ती और जन्नत की नेमतों का अन्दाज़ा सही मुस्लिम की उस हदीस से लगाया जा सकता है। जिस में अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया है:

क़ियामत के दिन दुनिया के सबसे ऐश व आराम में रहे जहन्नमी इंसान को लाया जायेगा और उसे जहन्नम में डुबकी लगवायी जायेगी और उससे पुछा जायेगा, ऐ आदम की औलाद! क्या तुम्हें कभी सुख–चैन नसीब हुआ? क्या तुम्हें कभी नेमत हासिल हुई? वह कहेगा, नहीं, अल्लाह की क़सम! मेरे पालनहार, नहीं।

उसके बाद दुनिया के सबसे मुहताज जन्नती को लाया जायेगा, उसे जन्नत में कुछ देर के लिए भेजा जायेगा और उससे पुछा जायेगा, क्या तुम्हें कभी मुहताजी लाहीक़ हुई थी? क्या तुम कभी सख़्त हालात से दोचार हुए थे? वह कहेगा, नहीं, मेरे परवरदिगार, अल्लाह की क़सम! न तो मुझे कभी मुहताजी लाहीक़ हुई और न ही मुझ पर कभी सख़्त हालात आए।काफ़िर इंसान जहन्नम की एक डुबकी ही से दुनियावी नेमतों और ऐश व आराम को भूल जायेगा और मोमिन इंसान जन्नत में एक पल बिताने के बाद दुनियावी मुसीबतों और सख़्त हालात को भूल जायेगा।